Bamak, a small glacier of about 6 sq. km. has been studied under the Himalayan Glaciology Programme during 1992-95. The studies have indicated that the glacier snout is receding at an average rate of about 17 metres per year. Recent scientific reports have indicated that glaciers in other parts of the world have also shown similar receding trend.

(b) To minimise the pollution of the river Ganga and improve its water quality, the scheme of Ganga Action Plan covering 25 towns along the river was started in 1985. This scheme is now nearing completion. The second phase of the Action Plan was started in 1995 to cover the additional towns and the work which could not be taken up in the first phase. The scheme is targetted for completion by 2001.

गंगोत्री और गोमुख के आसपास दूषित होता वातावरण

4160. **श्री पी० प्रभाकर रेड्डी:**
श्री जनेश्वर मिश्र:

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भांति-भांति के प्रदूषण और ढाबों के खुलने से गंगोत्री और गोमुख के आस-पास का वातावरण दूषित हो गया है और वह हिमनद जिससे गंगा निकलती है, लगातार तेजी से सिकुड़ता जा रहा है;

(ख) क्या इस क्षेत्र में पर्यटन आरंभ होने के कारण यह समस्या और अधिक गंभीर हो गई है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार उत्तर भारत के जल संसाधन की मातृ-नदी को बचाने के लिए वहां पर्यटन तथा मानवीय गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाएगी?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बाबू लाल मरांडी): (क) और (ख) वाडिया इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन जीओलॉजी, देहरादून द्वारा गंगोत्री ग्लेसियर पर किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि निकट भविष्य में ग्लेसियर को कोई खतरा नहीं है। तथापि, गंगोत्री और गोमुख पर्यटकों के लिए खोले जाने पर खाने पीने के स्थान खुलने और अशोधित जलमल छोड़ने के कारण गंगोत्री और गोमुख के आसपास का पर्यावरण प्रभावित होता है।

(ग) इस क्षेत्र में प्रदूषण को रोकने के लिए पर्यटन और मानव गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, सरकार ने गंगोत्री संरक्षण परियोजना के अंतर्गत कई कदम उठाए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:—

(1) गंगोत्री स्थित ढाबों, चाय की दुकानों और गेस्ट हाउसों को एल०पी०जी० कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे जलावन लकड़ी के प्रयोग में काफी कमी हुई है।

(2) भोजवास में भोजपत्र को फिर से शुरू करने के लिए यू०एन०डी०पी० से सहायता प्राप्त एक परियोजना कार्यान्वित की जाती है।

(3) 400 किलोग्राम प्रतिदिन की क्षमता वाला एक भस्मक गंगोत्री में लगाया गया है।

(4) गोमुख से दूर स्नो-ट्रेलों और बेस कैंपों को स्थानीय अभियानों, जिनमें पर्वतारोहन क्लब और सेना शामिल होती है, की सहायता से इस मौसम में गंगोत्री-गोमुख क्षेत्र को कम से कम दो बार साफ किया जाता है।

(5) गंगोत्री और गोमुख के बीच 50 कूड़ादान रखे गए है।

(6) धाराली और झाला मे एक-एक 20 सीटों वाला सुलभ परिसर बनाया गया है गंगनानी, गंगोत्री, चिरबास और भोजवास में कुछ पूर्वनिर्मित अस्थायी शौचालय भी प्रदान किए गए हैं।

(7) एल०पी०जी० टिवन् बर्नर स्टोव और एक कूड़ेदान के साथ क्विक इैवट ढाबों के 15 सैट स्थापित किये गये है। भोजवास से दूर किसी ढाबे की अनुमति नहीं दी गई थी।

Kerala Government's request for more sugar for Onam

4161. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Kerala Government have requested for more allocation of sugar for Onam festival; and

(b) if so, what steps have been taken to meet the demand?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI SATYA PAL SINGH YADAV): (a) and (b) Yes. Sir. The request of the Government of Kerala is under examination.

Shortage of wheat, rice and sugar in PDS Shops

4162. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there is any shortage of wheat, rice and sugar in the States as reported by PDS shops;

(b) if so, the details thereof, State-wise;

(c) the total quantity of wheat, rice and sugar supplied to different States for distribution through PDS since July, 1997; and

(d) the total shortage felt/assessed and the steps Government propose to ensure timely availability of wheat, rice and sugar to the fair price shops in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI SATYA PAL SINGH YADAV): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The allocation of wheat, rice and sugar to States/UTs for distribution through the Public Distribution System (PDS) from July, 1997 to July, 1998 is shown in the Statement (*See* below).

(d) As a step to ensure timely availability of wheat, rice and sugar under PDS, monthly allocation of these commodities to the States/UTs is made by the Government of India more than a month in advance. The responsibility for distribution to consumers through the Fair Price Shops rests with the States/UTs.

Statement

Total Quantity of Wheat Rice and Sugar Supplied to Different States for Distribution Through PDS From July 1997 to July 1998

(In 000 Tonnes)

States/UTs	Wheat	Rice	Sugar
Andhra Pradesh	167.00	2482.10	377.13
Arunachal Pradesh	7.74	41.86	5.01
Assam	363.90	657.45	125.43
Bihar	824.46	549.64	485.21
Goa	35.53	83.29	6.77
Gujarat	716.00	342.00	233.53
Haryana	194.65	0.00	93.12
Himachal Pradesh	144.26	154.00	28.32
Jammu & Kashmir	339.70	442.05	48.71
Karnataka	265.00	1020.00	254.16
Kerala	429.92	1979.60	164.52
Madhya Pradesh	590.87	446.55	374.13
Maharashtra	1343.84	706.22	445.38
Manipur	30.15	116.50	10.87
Meghalaya	29.24	220.34	10.22
Mizoram	20.73	124.46	4.06
Nagaland	40.71	129.18	7.70
Orissa	299.00	658.52	178.94